उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

319029

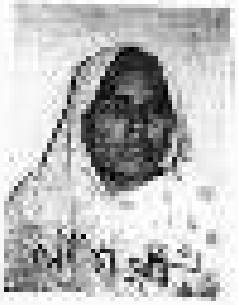

89

विक्रय विलेख

प्रतिफल की धनराशि - रू0 10,54,090/-
बाजार मूल्य - रू0 3,06,250/-
अदा किये गये स्टाम्प शुल्क- रू0 1,05,500/-

1. भूमि का प्रकार - कृषि
2. परगना - लखनऊ
3. ग्राम - [illegible]
4. सम्पत्ति का विवरण - भूमि खसरा संख्या 695 रकबा

Ansal Properties & Infrastructure Ltd

Auth. Sig.

INDIA NON JUDICIAL

25000

पच्चीस हजार रुपये

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-2-

0.420 हेक्टेअर का 1/3 भाग, इस प्रकार विक्रीत रकबा 0.140 हे0 स्थित ग्राम- अहमामऊ, परगना, तहसील व जिला लखनऊ।

5. मापन की ईकाई - हेक्टेअर

6. सम्पत्ति का क्षेत्रफल - 0.140 हेक्टेअर

7. सड़क की स्थिति - सुल्तानपुर रोड व अमरशहीद पथ से

Properties ... Ltd.

... Signatory

25000 INDIA NON JUDICIAL 25000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

लगभग 200 मीटर से अधिक

8. सम्पत्ति का प्रकार - भूमि

9. पेड़ों की स्थिति - नहीं

10. बोरिंग/ कुआं आदि - कुछ भी नहीं है।

<u>चौहद्दी खसरा नं0 893</u>

उत्तर : खसरा नं0-896

दक्षिण : खसरा नं0-890

पूरब : खसरा नं0-901

25000 INDIA NON JUDICIAL 25000

25000 25000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

[illegible] : खसरा नं0-893, 891

प्रथम पक्ष की संख्या- 3 : द्वितीय पक्ष की संख्या- 1

विक्रेता का विवरण		क्रेता का विवरण
1. राम कुमार शरण सिंह 2. कौशल किशोर शरण सिंह पुत्रगण जनक दुलारी शरण सिंह 3. श्रीमती सीता श्री पत्नी स्व0 जनक दुलारी शरण सिंह निवासीगण ग्राम अहमामऊ परगना, तहसील	:	अंसल प्रापर्टीज एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 रजिस्टर्ड ऑफिस 115, अंसल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, वर्तमान पता तृतीय तल वाई0एम0सी0ए0 बिल्डिंग, 13, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ द्वारा अधिकृत हस्ताक्षरी

Ansal Properties & Infrastructure Ltd.

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 पाँच हजार रुपये

Rs.5000 FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 128595

व जिला लखनऊ।	श्री अम्बिका प्रसाद द्विवेदी पुत्र श्री बेनी प्रसाद द्विवेदी कर्मनाम व स्वामी पता तृतीय तल वाई(एम)आई(?) बिल्डिंग, 13, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ
व्यवसाय- कृषि	व्यवसाय- व्यापार/नौकरी

यह विक्रय विलेख 1. राम खुला शरण सिंह 2. कौशल किशोर शरण सिंह पुत्रगण जनक दुलारी शरण सिंह 3. श्रीमती रीता की पत्नी स्व० जनक दुलारी शरण सिंह निवासीगण ग्राम अहमामऊ परगना, तहसील

राम खुला शरण सिंह

[illegible] Properties & Infrastructure Ltd

Authorised Signatory

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

व जिला लखनऊ जिसे आगे विक्रेता कहा गया है एवम् अंसल हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि0 पंजीकृत ऑफिस 115, अंसल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, वर्तमान पता तृतीय तल वाई0एम0सी0ए0 बिल्डिंग, 13, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ द्वारा अधिकृत हस्ताक्षरी श्री अभिषेक प्रकाश द्विवेदी पुत्र श्री बेनी प्रसाद द्विवेदी वर्तमान व स्थायी पता तृतीय तल वाई0एम0सी0ए0 बिल्डिंग, 13, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ जिसे आगे क्रेता कहा गया है के मध्य निष्पादित किया गया।

Ansal Properties & Infrastructure Ltd.

Authorised Signatory

यह कि विक्रेतागण भूमि खाता संख्या 335 रकबा 0.420 हेक्टेयर का 1/3 भाग, इस प्रकार विक्रीत रकबा 0.140 है० स्थित ग्राम-[illegible], परगना, तहसील व जिला लखनऊ का मालिक, काबिज व काबिज है तथा उपरोक्त सम्पत्ति सम्बन्धित खाता-खतौनी क्रम सं0 00134 के अनुसार भूमि विक्रेतागण के नाम संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है और विक्रेता को उक्त भूमि विक्रय का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। विक्रेतागण के नाम का अमल दरामद राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विक्रेतागण अपना सम्पूर्ण हिस्सा क्रेता को इस विक्रय विलेख द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेतागण उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, काबिज व दाखिल है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है और उक्त भूमि सरकारी भूमि का हिस्सा नहीं है तथा उक्त भूमि सीलिंग व पट्टे की भूमि नहीं है। यह कि विक्रेतागण यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विक्रेतागण ने इसे इस विक्रय से पूर्व कहीं रहन, हिबा, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। विक्रेतागण ने उक्त भूमि पर कृषि ऋण व अन्य प्रकार का कोई ऋण नहीं लिया है। यदि कोई ऐसा ऋण भविष्य में निकलता है तो उसके जिम्मेदार विक्रेतागण व उनके वारिसान व विधिक उत्तराधिकारी होंगे। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुर्क इत्यादि है। विक्रेतागण के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक व दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेतागण को उक्त विक्रय अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार

प्राप्त है। अतएव उल्लेखित सम्पत्ति के फलस्वरूप कुल विक्रय मूल्य रु0 10,54,600/- के प्रतिफल में विक्रय अन्तरित क्रेता द्वारा विक्रेतागण को इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेतागण यहाँ स्वीकार करते हैं, तदनुसार उक्त विक्रेतागण उक्त क्रेता के हक उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रय विलेख के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को सदाई बेच दिया है, एवं विक्रेतागण ने विक्रयशुदा भूमि का मौके पर कब्जा क्रेता को बखूबी करा दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विक्रेतागण तथा उनके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेतागण ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए क्रेता को स्थानान्तरित कर दिया है। अब क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपनी एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेंगे। विक्रेतागण व उनके वारिसान उसमें किसी प्रकार की अड़चन बाधा नहीं डाल सकेंगे एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेतागण के स्वामित्व में त्रुटि के कारण या कानूनी अड़चन या कानूनी त्रुटि के कारण क्रेता या उनके वारिसान स्थलाभिषिक्त इत्यादि के कब्जे व अधिकार या स्वत्व से निकल जावे तो क्रेता उनके वारिसान, स्थलाभिषिक्त इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना समस्त नुकसान मय हर्जे व खर्चे, विक्रेतागण की जात, जायदाद

सम्पत्ति से कोई अवशेष वसूल कर ले। उस स्थिति में विक्रेता एवं उनके वारिसान हर्जे व खर्चे देने हेतु बाध्य होंगे।

यह कि विक्रेतागण यह भी घोषित करता है कि उक्त भूमि लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ तथा उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, लखनऊ तथा अन्य किसी भी सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्था द्वारा अधिग्रहीत नहीं की गयी है और न ही प्रस्तावित है।

यह कि क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति को राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी। और यह कि इस विक्रय विलेख के पूर्व का अगर कोई बकाया किसी तरह या बाद इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेतागण भुगतान व वहन करेंगे, विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त सम्पत्ति ग्राम अहमामऊ अर्धनगरीय क्षेत्र के अधिसूचित ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित तालिका रेट रू0 17,50,000/- प्रति हेक्टेयर है चूंकि भूमि का विक्रय सम्पत्ति के पक्ष में हो रहा है इसलिए 25 प्रतिशत वृद्धि करने पर रू0 21,87,500/- के हिसाब से विक्रीत भूमि 0.140 हेक्टेयर की मालियत रू0 3,06,250/- होती है तथा विक्रय मूल्य, भूमि की बाजारू मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रू0 1,05,500/- स्टाम्प शुल्क अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए क्रय की जा रही है। भूमि में कोई पेड़ कूप आदि नहीं है तथा किसी

प्रकार की आपत्तिजनक गतिविधियां नहीं चल रही है व कोई नलकूप, कुआं भी नहीं है, तथा 200 मी0 के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड से व अमर शहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेतागण अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के सदस्य नहीं है। इस विक्रय विलेख के निष्पादन का समस्त व्यय क्रेता द्वारा वहन किया गया है ।

लिहाजा यह विक्रय पत्र विक्रेतागण ने क्रेता के पक्ष में लिख दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आवे ।

परिशिष्ट: भुगतान विवरण

1. विक्रेतागण को रू0 3,51,563/- द्वारा चेक संख्या- 595827 दिनांकित 08.10.2007 पंजाब नैशनल बैंक, हजरतगंज लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

2. विक्रेतागण को रू0 3,51,563/- द्वारा चेक संख्या- 595828 दिनांकित 08.10.2007 पंजाब नैशनल बैंक, हजरतगंज लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

3. विक्रेतागण को रू0 3,51,564/- द्वारा चेक संख्या- 595829 दिनांकित 08.10.2007 पंजाब नैशनल बैंक, हजरतगंज लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

विक्रय पत्र

1,154,100.00	388,250.00		5,000.00	30	5,030.00	2,000
प्रतिफल	मालियत		फीस रजिस्ट्री	नकल व प्रति शुल्क	योग	[illegible]

श्री / श्रीमती [illegible] सिंह

पुत्र / पत्नी श्री [illegible] सिंह

व्यवसाय कृषि [illegible]

निवासी स्थायी [illegible]

अस्थायी पता

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनांक 8/10/2007 समय 6:01PM

बजे निबंधन हेतु पेश किया। [illegible]

[illegible]

उप निबंधक (द्वितीय)

लखनऊ

8/10/2007

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमून व प्राप्त धनराशि रु प्रलेखानुसार उक्त

विक्रेता

श्री/श्रीमती [illegible] सिंह

पुत्र/पत्नी श्री [illegible] सिंह

पेशा कृषि

निवासी [illegible]

क्रेता

श्री/श्रीमती [illegible]

पुत्र/पत्नी श्री [illegible]

पेशा नौकरी

निवासी [illegible]

श्री/श्रीमती [illegible] सिंह

पुत्र/पत्नी श्री [illegible] सिंह

पेशा कृषि

निवासी [illegible]

श्री/श्रीमती [illegible]

पुत्र/पत्नी श्री [illegible] सिंह

पेशा गृहिणी

निवासी [illegible]

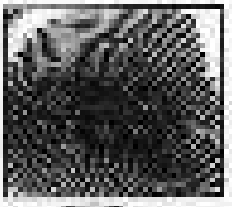

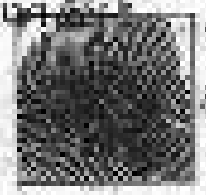

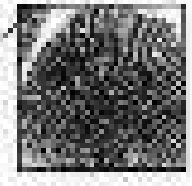

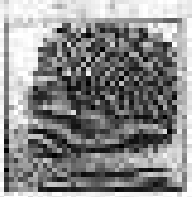

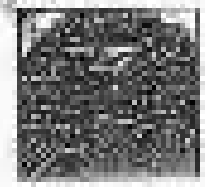

इस प्रकार विक्रेतागण को कुल विक्रय मूल्य 10,54,600/- (रूपया दस लाख चौवन हजार छः सौ रूपये मात्र) क्रेता से प्राप्त हुए जिसकी प्राप्ति विक्रेतागण स्वीकार करते हैं।

लखनऊ:
दिनांक: 08.10.2007
गवाह: क्रेता की पहचान की
1- [illegible]
S/o- हरिशंकर [illegible]
[illegible]

विक्रेतागण

Authorised Signatory

क्रेता

2. विक्रेता की पहचान की

[illegible]

टाईपकर्ता:-
(गोनू कुमार)
सिविल कोर्ट, लखनऊ।

मसौदाकर्ता:-
(विवेक कुमार सिंह)
एडवोकेट
सिविल कोर्ट, लखनऊ।

ने निष्पादन स्वीकार किया ।
जिनकी पहचान श्री पंकज पाठक
पुत्र श्री हरी शंकर पाठक
पेशा नौकरी
निवासी [illegible]
व श्री [illegible] सिंह
पुत्र श्री [illegible] सिंह
पेशा कृषि
निवासी [illegible]
ने की ।

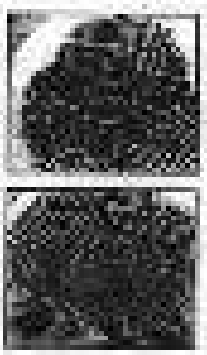

प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिये गये हैं ।

बी.एस.पाल
उप निबन्धक (द्वितीय)
लखनऊ
[illegible]

खसरा नं 885

विक्रेता

क्रेता

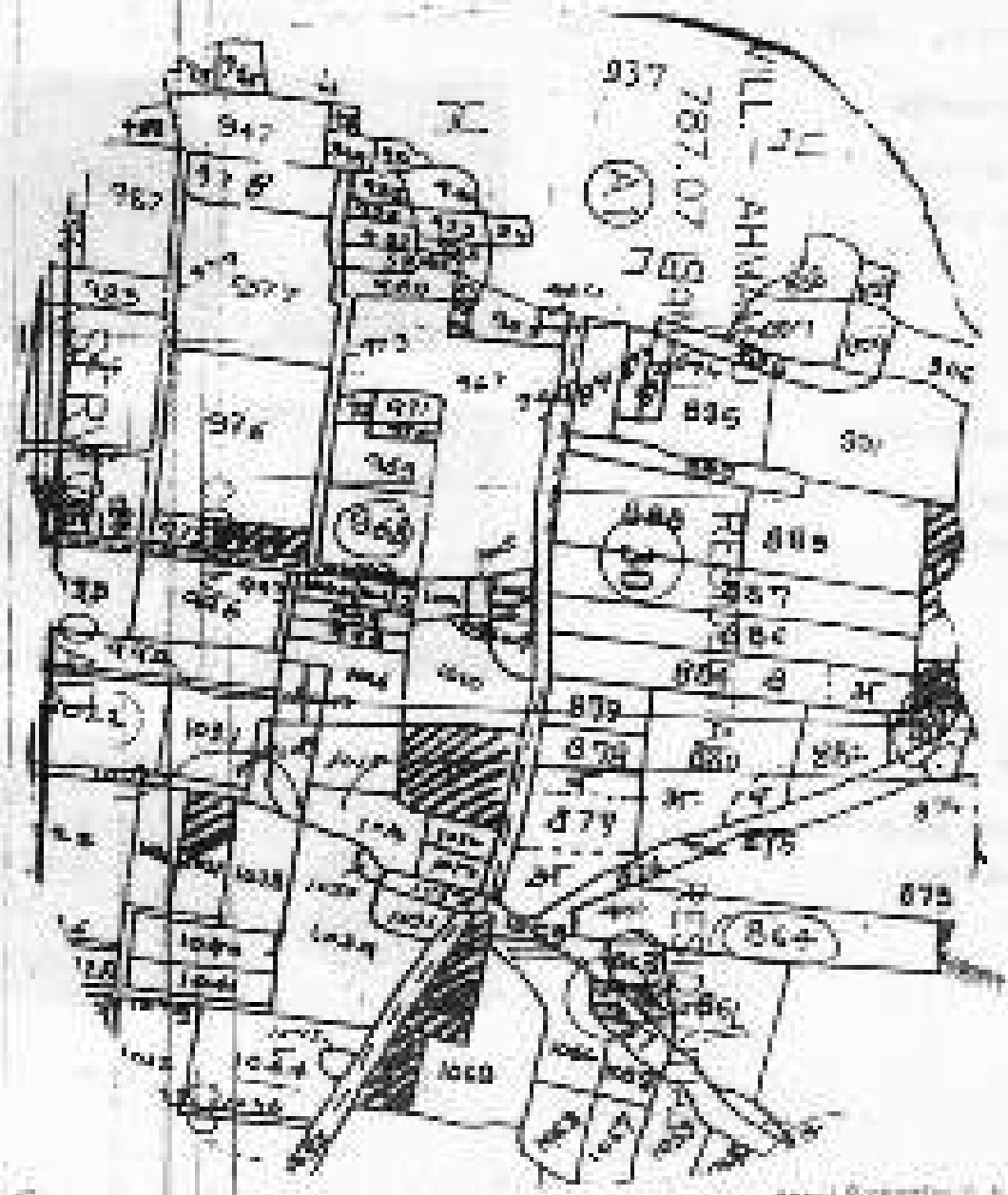

[illegible]

Registration No. 9220 Year : 2007 Book No. 1

0101 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

0102 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

0103 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

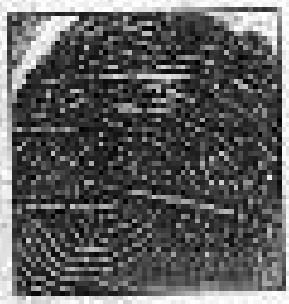

रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिंट्स

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता ....

....

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता/क्रेता का नाम व पता : ....

....

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

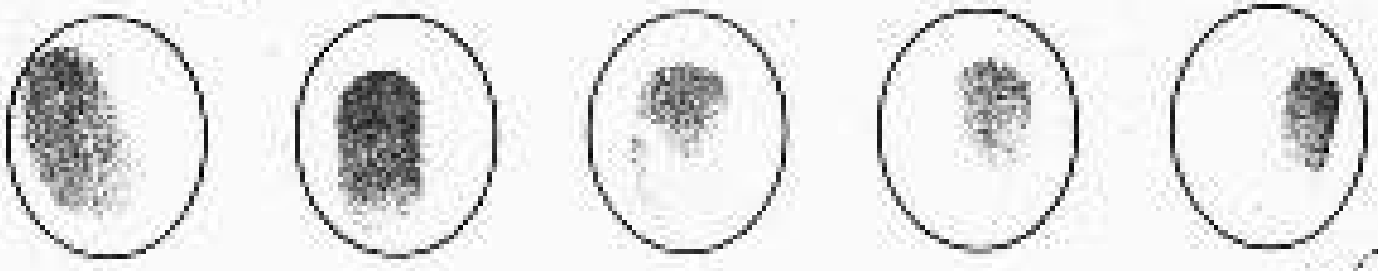

विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

[illegible]

Registration No. 9228 Year : 2007 Book No. I

0201 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

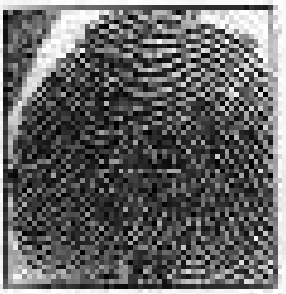

रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिंट्स

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता ....

....

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

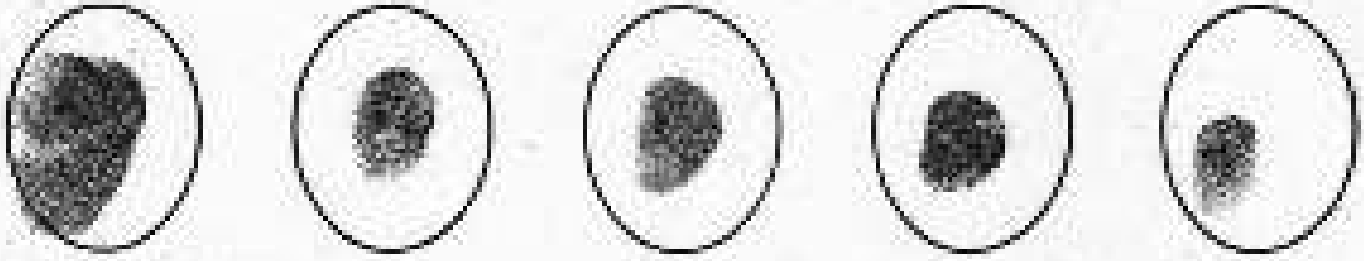

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

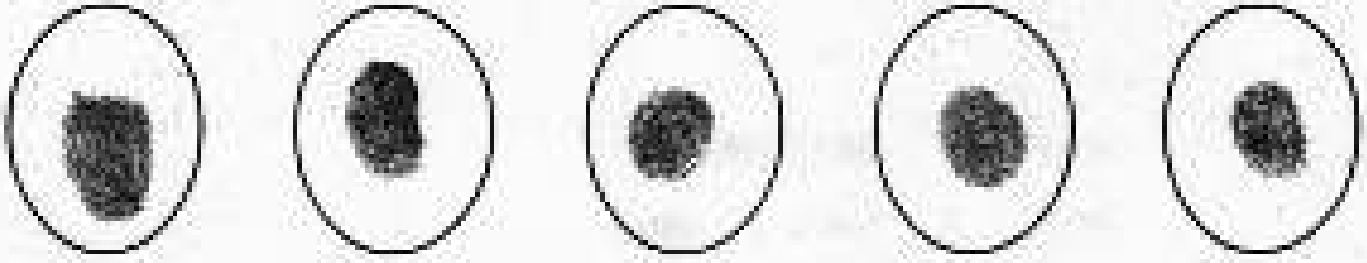

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता/क्रेता का नाम व पता : ....

....

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

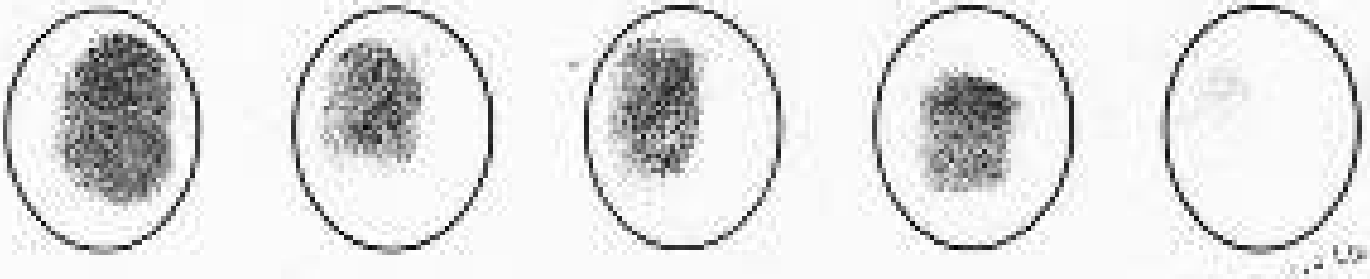

प्रस्तुतकर्ता/क्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक 08/10/2007 को

बही सं 1 जिल्द सं 6962

पृष्ठ सं 53 से 80 पर क्रमांक 9220

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

एस.एस.पाल

उप निबन्धक (द्वितीय)

लखनऊ

8/10/2007